

## ६. ऐ सखि !

- अमीर खुसरो

श्रवणीय

पहेलियाँ सुने और सुनाएँ :-

कृति के लिए आवश्यक सोपान :

- विद्यार्थियों को पहेलियाँ सुनाने के लिए कहें ।
- गुटों में पहेलियाँ बुझाने का आयोजन करें ।
- नई पहेलियाँ बनाने के लिए प्रेरित करें ।

रात समय वह मेरे आवे । भोर भये वह घर उठि जावे ॥  
यह अचरज है सबसे न्यारा । ऐ सखि साजन ? ना सखि तारा ॥

वह आवे तब शादी होय । उस दिन दूजा और न कोय ॥  
मीठे लागे वाके बोल । ऐ सखि साजन ? ना सखि ढोल ॥

जब माँगू तब जल भरि लावे । मेरे मन की तपन बुझावे ॥  
मन का भारी तन का छोटा । ऐ सखि साजन ? ना सखि लोटा ॥

बेर-बेर सोवतहि जगावे । ना जागू तो काटे-खावे ॥  
व्याकुल हुई मैं हक्की-बक्की । ऐ सखि साजन ? ना सखि मक्खी ॥

अति सुरंग है रंग रँगिलो । है गुणवंत बहुत चटकीलो ॥  
राम भजन बिन कभी न सोता । क्यों सखि साजन ? ना सखि तोता ॥

अर्धनिशा वह आयो भौन । सुंदरता बरनै कवि कौन ॥  
निरखत ही मन भयो अनंद । क्यों सखि साजन ? ना सखि चंद ॥

शोभा सदा बढ़ावन हारा । आँखिन से छिन होत न न्यारा ॥  
आठ पहर मेरो मनरंजन । क्यों सखि साजन ? ना सखि अंजन ॥

जीवन सब जग जासों कहै । वा बिनु नेक न धीरज रहै ॥  
हरै छिनक में हिय की पीर । क्यों सखि साजन ? ना सखि नीर ॥

बिन आए सबहीं सुख भूले । आए ते अँग-अँग सब फूले ॥  
सीरा भई लगावत छाती । क्यों सखि साजन ? ना सखि पाती ॥

—०—

परिचय

जन्म : १२५३ पटियाली एटा (उ.प्र.)

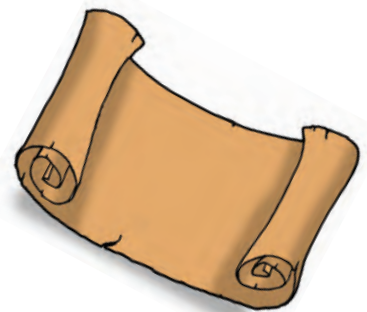
मृत्यु : १३२५ परिचय : अबुल हसन यमीनुद्दीन खुसरो जनसाधारण में अमीर खुसरो के नाम से प्रसिद्ध हैं । वे पहले व्यक्ति थे जिन्होंने हिंदी, हिंदवी और फारसी में एक साथ लिखा । अमीर खुसरो अपनी पहेलियों और मुकरियों के लिए जाने जाते हैं ।

प्रमुख कृतियाँ : तुहफा-तुस-सिगर, वसतुल-हयात, गुरातुल-कमा, नेहायतुल-कमाल, दोहे-घरेलू नुस्खे, कह मुकरियाँ, दुसुखने, ढकोसले, अनमेलियाँ/उलटबाँसियाँ आदि।

पद्य संबंधी

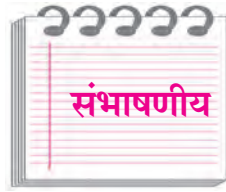
मुकरियाँ : यह लोक प्रचलित पहेलियों का ही एक रूप है जिसका लक्ष्य मनोरंजन के साथ-साथ बुद्धिचातुर्य की परीक्षा लेना होता है ।

अमीर खुसरो ने इन मुकरियों के माध्यम से अपनी विशेष शैली में पहेलियाँ एवं उनके उत्तर दिए हैं



**शब्द संसार**

अचरज (पुं.सं.) = आश्चर्य  
 तपन (पुं.सं.) = गरमी, ताप  
 अर्धनिशा (स्त्री.सं..) = आधी रात  
 भौन (पुं.सं.) = भवन  
 अंजन (पुं.सं.) = काजल  
 हिय (पुं.सं.) = हृदय  
 बेर-बेर (क्रि.वि.) = बार-बार



‘जीवन में हास्य का महत्त्व’  
 पक्ष-विपक्ष में चर्चा कीजिए ।



सुवचनों का संकलन कीजिए तथा  
 सुंदर, सजावटी लेखन करके चार्ट  
 बनाइए । विद्यालय की दीवारों को  
 सजाइए ।



पहेलियों का संकलन कीजिए ।



किसी महिला साहित्यिक की जीवनी  
 का अंश पढ़िए, और उनकी प्रमुख  
 कृतियों के नाम बताइए ।



‘पुस्तकों का संसार, ज्ञान-मनोरंजन का  
 भंडार’ इस संदर्भ में अपने विचार लिखिए ।



सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :-

(क) मुकरियों के आधार पर निम्नलिखित शब्दों की विशेषताएँ लिखिए :

अ.क्र.	शब्द	विशेषता
१	तोता	राम भजन किए बिना कभी न सोने वाला
२	नीर	
३	अंजन	
४	ढोल	

(ख) भावार्थ लिखिए : मुकरियाँ - १, ५ और ९



प्राकृतिक घटकों पर आधारित पहेलियाँ  
 बनाइए और संकलन कीजिए ।



.....

.....

.....